मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK–002

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम. एस. के.-002 : व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में कुल दस प्रश्न दिये गये हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।*

---

1. 'सर्वनामस्थाने चासम्बुद्धौ' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

अथवा

'वयम्' शब्द की रूपसिद्धि-प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

2. वारि शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए। 10

अथवा

'ऋतो ङिसर्वनामस्थानयोः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

3. 'प्रथमयोः पूर्वसवर्णः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।10

अथवा

'गतिबुद्धि प्रत्यवसानार्थ शब्दकर्माकर्मकाणामणिकर्त्ता स णौ' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. 'येनाङ्गविकारः' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. (क) 'बभूव' अथवा 'भवेत्' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'औपगवः' की सिद्धि-प्रक्रिया अथवा 'प्रत्याङ्भ्यां श्रुवः पूर्वस्य कर्ता' सूत्र को स्पष्ट कीजिए। 5

6. (क) सन्नन्त धातुओं की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'सुप आत्मनः क्यच्' अथवा 'आतो ङितः' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

7. (क) कृत्यसंज्ञक प्रत्ययों पर **अथवा** मतुबर्थक प्रत्ययों पर टिप्पणी कीजिए। 5

(ख) निष्ठासंज्ञक प्रत्ययों पर **अथवा** 'शत्' और 'शानच्' प्रत्ययों पर टिप्पणी कीजिए। 5

8. (क) 'यञ्-अञोश्च' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'गोमान्' अथवा 'चूडालः' की सिद्धि-प्रक्रिया को सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

9. 'एधाञ्चक्रे' की सिद्धि-प्रक्रिया को सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 10

10. 'माता' शब्द की सिद्धि-प्रक्रिया को सूत्रोल्लेख सहित स्पष्ट कीजिए। 10

× × × × ×